



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 05 अंक – 45 जौनपुर, बुधवार, 30 सितम्बर 2026 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य – 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय पोषण माह में सीएम माझी का संदेश

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को बच्चों के सही पोषण और विकास को सुनिश्चित करने में पिता और परिवार के अन्य सदस्यों की ज्यादा भागीदारी की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक बेहतर पोषण वाले ओडिशा के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। माझी ने बारमुंडा के आंगनबाड़ी केंद्र में श्रांगन का उत्सव और 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के राज्य-स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं और बच्चों के पोषण के स्तर को बेहतर बनाने के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों और स्कूलों के जरिए पोषण पर केंद्रित कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। माझी ने कहा, भ्रालग-अलग कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता और उनके सफल कार्यान्वयन के जरिए हम निश्चित रूप से ओडिशा को एक अच्छी तरह से पोषित राज्य बनाएंगे। सरकार एक अच्छी तरह से पोषित ओडिशा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि शोषण माह के दौरान पूरे राज्य में 46 लाख से ज्यादा गतिविधियां सफलतापूर्वक आयोजित की गईं और यह भी कहा कि आाार वेरिफिकेशन में ओडिशा ने देश में पहला स्थान हासिल किया। माझी ने बच्चे के जीवन के शुरुआती 1,000 दिनों के महत्व पर जोर देते हुए बच्चों की देखभाल और पोषण में माताओं के साथ-साथ पिताओं और परिवार के अन्य सदस्यों की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

दिल्ली में पीजी और हॉस्टल छात्रों के लिए बने मॉनिटरिंग कमिटी, हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को एक नई जनहित याचिका पर सभी संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा। इस याचिका में दिल्ली में पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन, किराए के प्लेट और प्राइवेट हॉस्टल में रहने वाले छात्रों की सुरक्षा और भलाई की निगरानी के लिए एक खास सिस्टम बनाने की मांग की गई है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा और निर्देश दिया कि इस याचिका को कोर्ट में पहले से लंबित मुख्य मामलों के साथ 14 अक्टूबर, 2026 को लिस्ट किया जाए। याचिकाकर्ता की ओर से वकील आशु बिधूजी पेश हुए। यह नई दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेज के दूसरे साल के छात्र शिवाश कालिया ने 6 सितंबर को सत्य निकेतन में एक इमारत गिरने की घटना के बाद दायर की। इस घटना में पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। याचिकाकर्ता खुद दिल्ली के राजीव गार्डन मैक्रिए में कॉलेज, यूनिवर्सिटी और बड़े स्टूडेंट या कॉचिंग-हब लेवल पर स्टूडेंट अकोमोडेशन एडवाइजरी और मॉनिटरिंग कमिटी बनाने की मांग की गई है। ताकि प्राइवेट घरों में रहने वाले स्टूडेंट्स की सुरक्षा और दूसरी समस्याओं को हल किया जा सके। याचिकाकर्ता का कहना है कि पड़ाई के लिए दिल्ली आने वाले बहुत से स्टूडेंट्स, कॉलेज-यूनिवर्सिटी के हॉस्टल की सीमित सुविधाओं के कारण , किराए ।

पीएम मोदी ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले ट्रेप शूटर्स और महिला कंपाउंड तीरंदाजों को दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एशियन गेम्स 2026 में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के शूटिंग खिलाड़ी नीरू ढांडा और कायन चेनाई तथा महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम की सदस्य ज्योति सुरेखा वेन्म, पृथिका प्रदीप और चिकिता तनिपर्थी की तारीफ की। आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में नीरू ढांडा और कायन चेनाई ने मिक्स्ड ट्रेप टीम शूटिंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीता और नया एशियाई खेल रिकॉर्ड भी बनाया। यह ट्रेप मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला स्वर्ण



पदक है। वहीं तीरंदाजी में ज्योति वेन्म, चिकिता तनिपर्थी और पृथिका प्रदीप की टीम ने चीन को 238-234 से हराकर स्वर्ण पदक जीता और 2014 के विश्व रिकॉर्ड

की बराबरी की। पीएमओ इंडिया ने महिला तीरंदाजों के लिए पोस्ट में लिखा, "भारत के लिए गोल्ड! एशियाई खेलों 2026 में महिला कंपाउंड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल

भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने जीता गोल्ड, राष्ट्रपति समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत को एशियन गेम्स 2026 में सातवां गोल्ड मेडल मिल गया है। चिकिता तनिपर्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्म वाली भारतीय कंपाउंड महिला आर्चरी टीम ने बुधवार को ओकाजाकी चुओ सोंगो पार्क मल्टीपर्स स्क्वायर में चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। भारतीय तिकड़ी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाते हुए गोल्ड जीता है। भारतीय महिला कंपाउंड टीम को उनकी उपलब्धि के लिए राष्ट्रपति



द्रौपदी मुर्मू, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, खेल मंत्री मनसुख मांडविया, उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ और संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने बधाई दी है। राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, "एशियन गेम्स 2026 में महिला कंपाउंड आर्चरी टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतने पर चिकिता तनिपर्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्म को बहुत-बहुत बधाई। आपकी जबरदस्त सटीकता, धैर्य और टीमवर्क ने देश को गर्व महसूस कराया है। यह यादगार कामयाबी आपको और भी कई मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित करे।" रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा, "ज्योति सुरेखा वेन्म, पृथिका प्रदीप और चिकिता तनिपर्थी ने एशियन गेम्स 2026 में महिला कंपाउंड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय तीरंदाजी के लिए एक सुनहरी जीत हासिल की। इस शानदार प्रदर्शन के लिए चैंपियन तिकड़ी को बधाई। उनकी सटीकता, धैर्य और दृढ़ संकल्प ने भारत के लिए एक और गर्व का पल लाया है। उन्हें लगातार सफलता और आगे भी गौरव हासिल करने की शुभकामनाएं।" उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, "आर्चरी में भारत के लिए एक गोल्डन डिफेंस।

असम के मुख्यमंत्री ने बिना पैसे के नौकरियों को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने आगामी नागांव लोकसभा उपचुनाव के लिए प्रचार के दौरान मंगलवार को कांग्रेस पर अपना हमला तेज कर दिया। उन्होंने अपनी सरकार के भर्ती अभियान का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार के तहत राज्य का राजनीतिक माहौल काफी बदल गया है। दक्षिण-एशियाई और प्रवासी पत्रकारों से बात करते हुए सरमा ने कहा कि लोग अब कांग्रेस से यह सवाल कर रहे हैं कि उसके कार्यकाल में सरकारी नौकरियां बिना पैसे लिए क्यों नहीं दी गईं। उन्होंने कहा कि अब लोग पूछ रहे हैं कि अगर हिमंता बिस्वा सरमा के समय में लोगों को बिना पैसे लिए

नौकरियां मिल रही हैं, तो कांग्रेस के शासनकाल में ऐसा क्यों नहीं हुआ? सरमा ने यह भी दावा किया कि



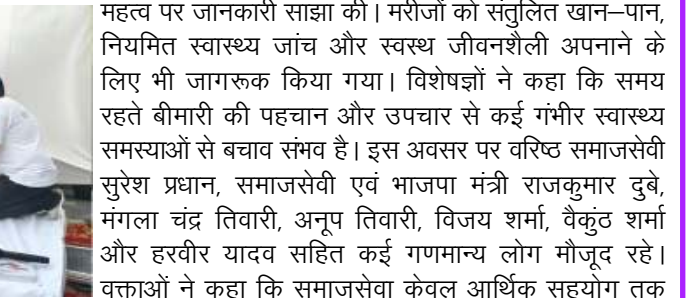
अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं को असामान्य प्रतिक्रियाओं का सामना करना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जब कांग्रेस नेता अल्पसंख्यक क्षेत्रों

में जाते हैं तो लोग उनका पीछा करते हैं। ऐसा मैंने पहले कभी नहीं देखा। उनकी ये टिप्पणी नागांव

में शामिल होने के बाद यह सीट खाली हुई थी। भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन ने पूर्व नौकरशाह देवाशीष शर्मा को उम्मीदवार बनाया है, जबकि कांग्रेस ने सिबामोनी बोरा को नामांकित किया है। एआईयूडीएफ प्रमुख बदरुद्दीन अजमल भी चुनाव लड़ रहे हैं। सरमा शर्मा के लिए व्यापक प्रचार कर रहे हैं और उन्होंने राहा और समागुरी में रैलियों सहित पूरे निर्वाचन क्षेत्र में कई जनसभाओं को संबोधित किया है। चुनाव प्रचार में राजनीतिक तनाव भी देखने को मिला है। कांग्रेस नेताओं ने पहले आरोप लगाया था कि समागुरी में प्रचार के दौरान उनके काफिले पर हमला हुआ था, जबकि शर्मा ने इस घटना का कारण कांग्रेस के भीतर के मतभेदों को बताया।

रामा अस्पताल में सेवा का संदेश – स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में मरीजों को दिए स्वस्थ जीवन के टिप्स

ब्यूरो चीफ/ सच्य प्रकाश उपाध्याय नोएडा। 'सेवा परमो धर्म' की भावना को आगे बढ़ाते हुए नोएडा सेक्टर-61 स्थित रामा अस्पताल में मरीजों के लिए स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों और जरूरतमंद लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ उन्हें बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विभिन्न बीमारियों से बचाव, समय पर स्वास्थ्य जांच और उपचार के महत्व पर जानकारी साझा की। मरीजों को संतुलित खान-पान, नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि समय रहते बीमारी की पहचान और उपचार से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव है। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश प्रधान, समाजसेवी एवं भाजपा मंत्री राजकुमार दुबे, मंगला चंद्र तिवारी, अनूप तिवारी, विजय शर्मा, वैकुण्ठ शर्मा और हरवीर यादव सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि समाजसेवा केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना भी सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सेवा भाव को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। आयोजकों ने कहा कि भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता और जनसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।



ज्योतिरादित्य सिधिया ने 'द एनचौंटिंग 8' के ट्रेलर का किया अनावरण, पूर्वोत्तर की पाक विरासत दिखाएंगी श्रृंखला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास एवं संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिधिया ने मंगलवार को नई दिल्ली में वृत्तचित्र श्रृंखला 'द एनचौंटिंग 8' का कलिनरी जर्नी थ्रू द नॉर्थईस्ट' का ट्रेलर जारी किया। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (एमडीओएनईआर) और पूर्वोत्तर परिषद (एनईसी) के सहयोग से शुरू की गई यह श्रृंखला पूर्वोत्तर के सभी आठ राज्यों की पाक परंपराओं, स्वदेशी समुदायों, स्थानीय उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर सामने लाने का प्रयास है। कार्यक्रम में एमडीओएनईआर के राज्य मंत्री डॉ. सुकांता मजुमदार, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और निर्माण दल के सदस्य मौजूद रहे। 'द एनचौंटिंग 8' दर्शकों को पूर्वोत्तर के आठों राज्यों की पाक

परंपराओं से परिचित कराएगी। श्रृंखला में स्थानीय व्यंजनों, सामग्रियों, समुदायों और भोजन से जुड़ी परंपराओं के जरिए

स्तर से कहानी कहने के मॉडल पर आधारित है। इसमें स्थानीय समुदायों, किसानों और खाद्य उत्पादकों को



क्षेत्र की विविधता को सामने रखा गया है। भोजन को कहानी का केंद्र बनाते हुए पूर्वोत्तर की कला, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता को भी दिखाया गया है। वृत्तचित्र श्रृंखला जमीनी

कहानी के केंद्र में रखा गया है। स्थानीय सामग्रियों के उद्गम स्थल से लेकर उनके रसोईघर और फिर भोजन की मेज तक पहुंचने के सफर को भी दर्शाया गया है। श्रृंखला में

पूर्वोत्तर को किसी एक तरह की पाक शैली के रूप में प्रस्तुत करने के बजाय अलग-अलग समुदायों और भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकसित हुई खाद्य परंपराओं को दिखाया गया है। स्थानीय सामग्रियों, स्वदेशी ज्ञान और भोजन से जुड़ी दैनिक प्रथाओं को स्थानीय लोगों की आवाज के जरिए सामने लाया गया है। इस श्रृंखला की शुरुआत पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय और पूर्वोत्तर परिषद के सहयोग से की गई है। इसका कार्यान्वयन पूर्वोत्तर क्षेत्र सामुदायिक संसाधन प्रबंधन समिति (एनईआरसीआरएमएस) के माध्यम से किया गया है। श्रृंखला का निर्माण अर्बन मीडिया प्रोडक्शंस ने फिलांडरिंग फोर्कर मीडिया के सहयोग से किया है।



संकट दहलीज तक पहुंचे, उससे पहले पूरी हो तैयारी – राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना के शीर्ष कमांडरों से अपनी रणनीतिक तैयारी को नए स्तर पर ले जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलती तकनीक, अनिश्चितता और पड़ोस की चुनौतियों को देखते हुए अब पुराने ढर्रे पर काम नहीं चल सकता। हमारी तैयारी ऐसी होनी चाहिए कि कोई भी संकट हमारे दरवाजे तक पहुंचे, उससे पहले ही हम उससे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हों।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मौजूदा वर्ष में नौसेना में 18 युद्धपोतों को कमीशन किए जाने की योजना है, जो नौसेना के इतिहास में एक वर्ष में शामिल युद्धपोतों का सबसे बड़ा आंकड़ा होगा। उन्होंने कहा कि हाल में कमीशन किए गए युद्धपोतों में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। भारत को अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ मित्र देशों को युद्धपोतों का निर्यात करने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। नौसेना ने तीन दिवसीय कमांडर सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजनाथ ने कहा कि हमें अपनी सैन्य तैयारियों में भू-रणनीतिक सोच व आकस्मिक परिस्थितियों के लिए योजनाएं शामिल करनी ही होंगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्री क्षेत्र में भीड़भाड़, छल और ग्रे-जोन गतिविधियों ने समुद्री सुरक्षा को पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल बना दिया है। ऐसे में निगरानी और प्रतिक्रिया क्षमता बेहतर बनाने की जरूरत है। सिंह ने कहा कि नौसेना सिर्फ समुद्री सीमाओं की रक्षा नहीं करती बल्कि वह विकसित भारत की परिकल्पना का आधार है। नौसेना आर्थिक सुरक्षा, समुद्री शक्ति-प्रक्षेपण में भी भूमिका निभा रही है।

दिसंबर 2029 से पहले पंजाब को नशा मुक्त करेंगे, अमित शाह का बड़ा एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अमित शाह ने कहा कि जब हम वादा कर रहे हैं कि 31 दिसंबर, 2029 को पंजाब को विद्या मुक्त कर देंगे, तो मुझे मालूम है कि केजरीवाल एंड कंपनी क्या कहने वाली है। मैं पंजाब की जनता को बताना चाहता हूं कि हमने जो कहा है, वो करके दिखाया है। कश्मीर को आतंकवाद मुक्त करने का काम भाजपा ने किया। 50 साल पुरानी नक्सल समस्या को समाप्त करने का काम मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने किया। नॉर्थ ईस्ट के आतंकवाद को समाप्त करने का काम भाजपा ने किया, और अब बारी है श्विटा मुक्त पंजाब की। शाह ने कहा कि आज नशा मुक्त पंजाब बनाने का समय क्यों आया?



क्योंकि आम आदमी की सरकार ने चिट्ठे के व्यापार को खुलेआम चलने दिया। पंजाब के चुनाव में कई मुद्दे हैं। किसानों, इंडस्ट्री, कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दे हैं, लेकिन आने वाले चुनाव भाजपा केवल और केवल नशा मुक्त पंजाब के मुद्दे पर लड़ने

वाली है। आज मैं यहां से पंजाब की माताओं और युवाओं से वादा करके जाता हूं कि इस चुनाव में भाजपा की समर्थन कीजिए, कमल के फूल पर वोट डालिए, 31 दिसंबर 2029 से पहले हम पंजाब को चिट्ठे के व्यापार से मुक्त कर देंगे। अमित शाह ने मंच

से बड़ा एलान करते हुए कहा कि पंजाब में भाजपा की सरकार बनी तो 31 दिसंबर 2029 तक प्रदेश को नशा मुक्त करा दिया जाएगा। शाह ने कहा कि जालंधर आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, लेकिन जालंधर में नशा मुक्त पंजाब के लिए आना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है। पंजाब देश में दो चीजों के लिए जाना जाता है। पहला, देश में जब भी खाने-पीने की जरूरत पड़ती थी, तो हमारे गोदामों को पंजाब का किसान भर देता था और आज भी भर देता है। दूसरा, आजादी से पहले का समय हो या आजादी के बाद का, जब भी सुरक्षा की बात आती थी, तो हमारे पंजाब का जवाब हमेशा तैयार रहता था।

'स्वच्छता ही सेवा 2026' में मुख्यमंत्री गुप्ता ने सफाई कर्मचारियों को बताया स्वच्छता नायक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मेयर प्रवेश वाही और अन्य नेताओं ने आज बुधवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा 2026' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रेखा गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों, खासकर उनमें शामिल बड़ी संख्या में महिलाओं से मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, "अब सचमुच इन 'स्वच्छता मित्रों' का दोस्त बनने, उनके दुख-दर्द को समझने और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का समय आ गया है। वे जो काम करते हैं, उसे समाज के ज्यादातर लोग सबसे आखिरी प्राथमिकता देते हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सफाई कर्मचारी रोजाना मुश्किल काम करते हैं और उनके योगदान के लिए उन्हें ज्यादा सराहना मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर किसी को 10 नौकरियों में से चुनना हो, तो शायद वे इसे सबसे आखिरी में चुनेंगे। लेकिन उन्होंने इसी काम को अपनी आजीविका बनाया है। यह कोई आसान काम नहीं है।" सफाई अभियानों के दौरान अपने अनुभव को याद करते हुए, सीएम गुप्ता ने कहा कि लोग अक्सर कुछ मिनट झाड़ू लगाने के बाद ही हाथों में दर्द महसूस करते हैं, जबकि सफाई कर्मचारी रोजाना ऐसा ही काम करते हैं। उन्होंने कहा, "जब हमने स्वच्छता अभियान के दौरान झाड़ू उठाई, तो हमें सिर्फ 10 मिनट बाद ही हाथों में दर्द महसूस हुआ। लेकिन वे यह काम रोजाना करते हैं।" सीएम गुप्ता ने यह भी कहा कि सफाई कर्मचारियों ने अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है



बुधवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा 2026' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। रेखा गुप्ता ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सफाई कर्मचारियों, खासकर उनमें शामिल बड़ी संख्या में महिलाओं से मिलना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा, "अब सचमुच इन 'स्वच्छता मित्रों' का दोस्त बनने, उनके दुख-दर्द को समझने और उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने का समय आ गया है। वे जो काम करते हैं, उसे समाज के ज्यादातर लोग सबसे आखिरी प्राथमिकता देते हैं। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सफाई कर्मचारी रोजाना मुश्किल काम करते हैं और उनके योगदान के लिए उन्हें ज्यादा सराहना मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर किसी को 10 नौकरियों में से चुनना हो, तो शायद वे इसे सबसे आखिरी में चुनेंगे। लेकिन उन्होंने इसी काम को अपनी आजीविका बनाया है। यह कोई आसान काम नहीं है।" सफाई अभियानों के दौरान अपने अनुभव को याद करते हुए, सीएम गुप्ता ने कहा कि लोग अक्सर कुछ मिनट झाड़ू लगाने के बाद ही हाथों में दर्द महसूस करते हैं, जबकि सफाई कर्मचारी रोजाना ऐसा ही काम करते हैं। उन्होंने कहा, "जब हमने स्वच्छता अभियान के दौरान झाड़ू उठाई, तो हमें सिर्फ 10 मिनट बाद ही हाथों में दर्द महसूस हुआ। लेकिन वे यह काम रोजाना करते हैं।" सीएम गुप्ता ने यह भी कहा कि सफाई कर्मचारियों ने अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है

संपादकीय

विश्वसनीयता स्वत सन्दिग्ध

मुद्रा है कि बजट क्यों नहीं है? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बात कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः सन्दिग्ध हो जाती है। मासिक स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे मेडिकल (एमबीबीएस) इंटरनस पर भोपाल में वॉटर कैनन चलाया गया। पांच साल की महंगी पढ़ाई करने और अनियमित घंटों तक काम करने के बाद इन डॉक्टरों को हर महीने फिलहाल 14,3३7 की वृत्ति मिलती है। इस रकम पर युवा डॉक्टर किस तरह गुजारा चलाते होंगे, इसकी कल्पना की जा सकती है। स्टाइपेंड को ३० हजार रुपये करने की मांग को लेकर भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इंटरन मुख्यमंत्री आवास की ओर बढ़ रहे थे, तब पानी की बौछार कर उन्हें तितर–बितर कर दिया गया। इस घटना के विरोध में राज्य के कई सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में ओपीडी सहित अन्य सेवाएं प्रभावित हुईं। उधर हरियाणा में करीब १२,००० अतिथि अध्यापक ढाई महीने से भी अधिक समय से कुरुक्षेत्र स्थित सचिवालय के बाहर मोर्चा लगाए हुए हैं। ये शिक्षक क्रमिक भूख हड़ताल पर हैं। मुख्यमंत्री आवास के घेराव के साथ—साथ विधायकों को ज्ञापन सौंप चुके हैं। यानी जिन शिक्षकों को क्लास में मौजूद रह कर बच्चों का शिक्षण करना चाहिए, वे प्रतिरोध के अलग—अलग माध्यमों से अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें से अनेक शिक्षक २० साल से ज्यादा समय से अतिथि रूप में ही अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिन्हें नियमित शिक्षकों की तुलना में लगभग एक तिहाई पारिश्रमिक मिलता है। हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने नियमित किए जाने की उनकी मांग को जायज माना। लेकिन सरकार इसे टालती चली गई है। ये दोनों आंदोलन देश में स्वास्थ्य एवं शिक्षा क्षेत्र के मौजूदा हाल की मिसाल हैं। वे वो अहम क्षेत्र हैं, जिन्हें किसी समाज के विकास की बुनियाद समझा जाता है। मगर आज हाल यह है कि सरकारों के पास बजट ना होने का तर्क है। इसलिए ऐसे तमाम महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों को कामचलाऊ ढंग से चलाने की रस्म—अदायगी सामान्य बात हो गई है। मुद्रा है कि बजट क्यों नहीं है? क्या इसके लिए खुद सरकारी नीतियां जिम्मेदार नहीं हैं? दरअसल, शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में प्राइवेट सेक्टर के लिए तमाम उदारता दिखाने वाली सरकारें जब ऐसी बातें कहती हैं, तो उनकी विश्वसनीयता स्वतः सन्दिग्ध हो जाती है।

युगपुरुष श्रद्धेय अशोक सिंहल का जन्मशताब्दी वर्ष

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बहुत सुंदर सुभाषित है, वृक्ष कबहुँ नहिं फल भखै, नदी न संचौ नीर। परमार्थ के कारने, साधुन धरा शरीर। इसका मतलब है कि पेड़ कभी अपने फल स्वयं नहीं खाता, नदी अपना जल अपने पास नहीं रखती। इसी तरह, संत स्वभाव के लोग भी स्वयं को प्राथमिकता ना देते हुए, सदैव दूसरों की सेवा के लिए तत्पर रहते हैं, अपना जीवन लोक कल्याण के लिए समर्पित कर देते हैं। सदियों से हमारे ऋषियों ने हमें यही सिखाया है कि मानवता के कल्याण के लिए समर्पित जीवन का महत्व व्यक्तिगत उपलब्ि यों से कहीं अधिक होता है। श्रद्धेय अशोक सिंघल का जीवन इस भावना का पुण्य उदाहरण है। २७ सितंबर से हम स्वर्गीय अशोक सिंघल का जन्म—शताब्दी वर्ष मनाये जा रहे हैं। यह एक महान विभूति के सम्मान का सुअवसर है। उन्होंने आध्यात्मिक साधना, सांस्कृतिक जागरण और दशकों तक समर्पित भाव से समाज एवं संगठन के कार्यों को आगे बढ़ाया। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मुझे स्वर्गीय अशोक के साथ लंबे समय तक कार्य करने, उनसे सीखने, उनसे संवाद करने और उनका स्नेह प्राप्त करने का अवसर मिला। मुझे १९८१ का एक प्रसंग याद आता है। उस समय मैं एक युवा कार्यकर्ता के तौर पर संगठन की ओर से मिली जिम्मेदारियां निभा रहा था। तब मुझे अशोक का हाथ से लिखा एक पत्र मिला। उन्होंने पत्र में आने वाले एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी और मुझे कुछ जिम्मेदारियां सौंपी थीं। उस समय अशोक सिंघल से पत्र पाना, मेरे लिए बहुत विशेष और यादगार क्षण बन गया था। मैंने उन्हें कई दशकों तक दिन—रात काम करते देखा। वे देश के दूर—दराज के क्षेत्रों की लंबी और कई बार कठिन यात्राएं किया करते थे। गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में जाना उन्हें विशेष रूप से प्रिय था। वे लगातार इस पर चिंतन करते थे कि समाज के वंचित और अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के लिए और क्या किया जा सकता है। जब भी देश में कहीं प्राकृतिक आपदा आती, तो अशोक सिंघल सबसे पहले वहां पहुंचने वालों में होते या फिर प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देते। वर्ष २००१ में कच्छ में आए भूकंप के बाद उनके साथ का मेरा अनुभव अविस्मरणीय बन गया। आदरणीय अशोक अत्यंत प्रतिष्ठित और संपन्न परिवार से थे। उनके पिता महावीर की एक प्रशासक के रूप में पहचान थी। उनके एक भाई बी.पी. सिंघल पुलिस अधिकारी बने और बाद में संसद सदस्य भी रहे। दूसरे भाई वी.पी. सिंघल त्रिपुरा के तब मुख्य सचिव बने, जब यह नया राज्य बना था। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी कॉमर्स और कृषि के क्षेत्र में सफलता हासिल की। लेकिन शुरू से ही अशोक का झुकाव बिस्कुल अलग दिशा में था। बहुत कम उम्र में ही उनके व्यवहार में दूसरों के प्रति करुणा और सेवा की अद्भुत भावना दिखने लगी थी। वे चाहते थे कि भारत का पुनरुत्थान हो और मां भारती की संतान गौरवशाली उपलब्धियां हासिल करें। प्रयागराज में पले—बढ़े अशोक कई घंटे संगम के तट पर बैठ आ करते थे। नदी के प्रति उनका स्वाभाविक आकर्षण था। वहां आने वाले साधु—संत और श्रद्धालुओं से भी उनकी बहुत आत्मीयता थी। इससे भारत के सांस्कृतिक लोकाचार की उनकी समझ और समृद्ध हुई। समाज के लिए कुछ करने का उनका संकल्प भी और दृढ़ हुआ। दूसरों के लिए जीने की यही ललक उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक दल में ले आई। उनको जो भी जिम्मेदारी मिली, उसे उन्होंने पूरे उत्साह, अनुशसन और कर्तव्यभाव से निभाया। अशोक सिंघल ने अपने निरंतर प्रयास और अथक परिश्रम से अनेक संस्थाओं और आंदोलनों को मजबूत किया। अपनी ओजस्वी वाणी और अभिव्यक्ति की अद्भुत शैली से वे पूरी सभा को नम्रमुग्ध कर देते थे। अपने साक्षी कार्यकर्ताओं के प्रति वे अत्यधिक स्नेह रखते थे। जो भी उनके संपर्क में आता, वह उनकी सादगी से प्रभावित हुए बिना नहीं रहता। संत समाज के साथ उनके संबंध बहुत प्रगाढ़ थे। देशभर के साधु—संतों के बीच भी उनका काफी सम्मान था। संतगण उनके परामर्श को महत्व देते थे और उनकी बातों को पूरे आदरभाव से सुनते थे। मेरी स्मृति में ऐसी दो घटनाएं उभर रही हैं, जिनसे अशोक सिंघल के विराट व्यक्तित्व को समझा जा सकता है। पहली घटना १९९३ की है। विश्व हिंदू परिषद ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो संबोधन के १०० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में अमेरिका के एक सम्मेलन आयोजित किया था। विदेश में ऐसे भव्य सम्मेलन का विजन, उसकी प्लानिंग और विभिन्न समूहों को एक मंच पर लाने का भगीरथ प्रयास अशोक के अद्वितीय संगठनात्मक कौशल का परिचायक था। दूसरी घटना वर्ष २००० की है, जब त्रिनिदाद और टोबैगो के पोर्ट ऑफ स्पेन में विश्व हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ था। उस समय मैं भी वहीं था। मैंने प्रत्यक्ष देखा कि अशोक सिंघल की उपस्थिति ने अन्य प्रतिनिधियों में कितना उत्साह भर दिया था।

विचार

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड़ी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

नीरज भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड़ी के



ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग—अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह

कि भाजपा ने भगवान राम को “चुरा” लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड़ी ने अपने तर्क को उत्तर—दक्षिण और द्रविड़—आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि “हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं।”

पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत के सटीक जबाव

ललित संयुक्त राष्ट्र महासभा के ८१वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाप्ान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार ८१वां अधिवेशन ८ सितंबर २०२६ से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस २२ से २६ सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था— विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू—राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने २६ सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक ‘सीरियल प्रैक्टिशनर ऑफ टेररिज्म’ ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य बनाने तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से “हर हर महादेव” क्यों नहीं कहते और केवल “जय श्रीराम” का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड़ी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में “हर हर महादेव” बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता। यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड़ी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमूलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ावा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमूलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया। देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं

है। लेकिन जब राजनीति सिंधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड़ी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव को राजनीति के दो अलग—अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को “अमीर बनाम गरीब” या “उत्तर बनाम दक्षिण” की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए? वैसे रेवंत रेड़ी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर २०२५ में उन्होंने हिंदू देवी—देवताओं की संख्या और अलग—अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड़ी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार—बार निशाने पर क्यों दिखाई

सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ—साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग—अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है—पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वहनी साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह

देती है? यहां हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं हैय बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होनी चाहिए? साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड़ी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड़ी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की पराकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है। एक और बात रेवंत रेड़ी को जाननी चाहिए कि रामचरितमानस के उत्तरकांड में भगवान राम स्वयं शिव की महिमा

गंभीर प्रश्न पाकिस्तान को केवल अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां



हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुरक्षित, समृद्ध और समानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि

भारत—पाक संबंधों को केवल आरोप—प्रत्यारोप के चश्मे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने

प्रधानमंत्री लगातार कर रहे हैं विदेशी मुद्रा बचाने की अपील



प्रहलाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने एक बार पुनः भारतीय नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक नही हो तो सोना नहीं खरीदे अथवा कम मात्रा में खरीदें। साथ ही आपने यह भी अपील की है कि विदेशी पर्यटन को टालने का प्रयास करें एवं विदेश में जाकर शादी ब्याह के कार्यक्रम नहीं करें। यह समय की मांग है कि भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा को बचाने के उद्देश्य से स्वदेशी मंत्र को अपनायें। मनीषीय प्रधानमंत्री जी को देश के नागरिकों से उक्त आग्रह इसलिए करना पड़ा है क्योंकि वैश्विक स्तर पर परिस्थियां लगातार बिगड़ रही हैं। भारत चूँकि आर्थिक विकास के उस चक्र में आ गया है जहां छोटी सी चूक भी भारत में तेज गति से हो रहे आर्थिक विकास पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव डाल

सकती है। इस कठिन दौर में भारत को बहुत संभल कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। रूस यूक्रेन युद्ध लम्बे समय से लगातार चल रहा है, इजरायल हमास युद्ध जारी ही था कि अमेरिका ईरान के बीच युद्ध छिड़ गया। उधर, अमेरिका में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के साथ ही विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर टैरिफ की तलवार लगातार लटक रही है। वैश्विक स्तर पर इन तरह की घटनाएं जगह से जगह कई देशों के विदेशी व्यापार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसमें भारत भी शामिल है, क्योंकि भारत अपनी कच्चे तेल की कुल खपत का ९० प्रतिशत से अधिक हिस्सा अन्य देशों से आयात करता है। इसी प्रकार, भारत देश में स्वर्ण की कुल मांग का भी ९० प्रतिशत से अधिक भाग आयात करता है। विशेष रूप से, अमेरिका ईरान के

बीच छिड़े युद्ध के बाद स्ट्रेट ओफ होर्मुज से कच्चे तेल की आपूर्ति लगभग ठप्प पड़ गई है। भारत में होने वाले कच्चे तेल की कुल आपूर्ति का लगभग ७० प्रतिशत हिस्सा इसी मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत द्वारा ७,२०० करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह ३२ प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में ३२ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्धथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्माला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़

रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में १० वर्षीय बांड यील्ड ४.८० प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत ७,२०० करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह ३२ प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में ३२ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्धथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्माला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड भी लगातार बढ़

रही है। आज, विभिन्न देशों में बांड यील्ड पिछले कई वर्षों के उच्च स्तर पर आ गई है। जैसे, अमेरिका में १० वर्षीय बांड यील्ड ४.८० प्रतिशत के उच्च स्तर से भी ऊपर पहुंच गई है, मार्ग से आता है। अतः भारत पर उक्त वर्णित परिस्थितियों का विशेष प्रभाव हुआ है। पिछले वर्ष भारत ७,२०० करोड़ अमेरिकी डॉलर का स्वर्ण आयात किया गया है, पिछले वर्ष की तुलना में यह ३२ प्रतिशत अधिक है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्वर्ण की कीमतों में हुए तेज उछाल के चलते ही भारत के स्वर्ण आयात के बिल में ३२ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है अन्धथा स्वर्ण आयात की मात्रा में कुछ कमी ही दर्ज हुई है। भारत के कुल आयात में कच्चे तेल के आयात की भागीदारी सबसे अधिक है, इसके बाद स्वर्ण के आयात की भागीदारी रहती है। इसके चलते भारत का विदेशी व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसे, यदि समय रहते नहीं सम्माला गया तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आने लगेगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए की कीमत और अधिक नीचे आने लगेगी। दूसरे, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से कई देशों में मुद्रा स्फीति की दर लगातार बढ़ रही है एवं इसके कारण एवं ब्याज दरों में वृद्धि के चलते इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश

की निकासी प्रारम्भ होती है तो भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव आएगा और अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए के मूल्य में तेज गिरावट दृ प्टिंगोचर होगी जिससे भारत में ब्रिटेन में ५.२५ प्रतिशत (पिछले १८ वर्षों के उच्चतम स्तर पर हैं), फ्रान्स प्रतिशत में ४.२४ प्रतिशत (पिछले १७ वर्षों के उच्चतम स्तर पर हैं), जर्मनी में ३.३७ प्रतिशत (पिछले १५ वर्षों के उच्चतम स्तर पर हैं), जापान में २.९९ प्रतिशत जहां पर शून्य प्रतिशत हुआ करती थी (पिछले ३० वर्षों के उच्चतम स्तर पर हैं), कनाडा में ३.७५ प्रतिशत, ब्राजील में १४.५६ प्रतिशत, ऑस्ट्रेलिया में ५.२३ प्रतिशत, सिंगापुर में २.४० प्रतिशत, दक्षिण कोरिया में ४.४१ प्रतिशत एवं भारत में ६.९८ प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। यदि विकसित देशों में यदि मुद्रा स्फीति की दर और अधिक बढ़ती है तो इसे नियंत्रण में लाने के उद्देश्य से ब्याज की दरों को बढ़ाया जा सकता है इससे इन देशों में बांड यील्ड और अधिक बढ़ेंगी, जिसके चलते भारत जैसे विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी मुद्रा में देश आज इस समस्या से झुझते हुए किए गए निवेश की निकासी होगी और यह राशि विकसित देशों में हस्तांतरित होगी क्योंकि इन देशों में बांड यील्ड आकर्षक स्तर पर पहुंच गई है। इन परिस्थितियों के बीच यदि भारत से भी विदेशी मुद्रा निवेश

डॉलर एवं चीन के पास ३.४ लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारत अपने विदेशी मुद्रा भंडार को एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर तक ले जाना चाहता है क्योंकि इससे भारत को भविष्य में विदेशी व्यापार में होने वाली किसी भी प्रकार की परेशानी से बचाया जा सकेगा। यह तभी सम्भव हो सकेगा, जब भारतीय नागरिक विदेशी मुद्रा का सोच समझकर उपयोग करें। स्वर्ण की खरीद से, विदेश में पर्यटन करने से एवं विदेश में शान्तियों के कार्यक्रम आयोजित करने से विदेशी मुद्रा का खर्च बढ़ता है जिससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार कम होते हैं। चोथे, भारतीय नागरिकों में स्वर्ण के प्रति आकर्षण कुछ अधिक मात्रा में ही है। यह सही है कि स्वर्ण भविष्य में आर्थिक सुरक्षा का एक अच्छा विकल्प है। यदि देश में पर्यटन करने से यह सुप्त मुद्रा के रूप में ही देखा जाता है। स्वर्ण में किए गए निवेश पर किसी भी प्रकार की आय का अर्जन नहीं होता है क्योंकि स्वर्ण में निवेश की गई राशि उत्पादक निवेश की श्रेणी में नहीं गिनी जाती है। एक अनुमान के अनुसार भारतीय परिवारों के पास लगभग २५,००० टन से अधिक का स्वर्ण भंडार मौजूद है, जिसकी बाजार कीमत लगभग ५ लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है।

अपोलो हॉस्पिटल लखनऊ में हार्ट-लंग मशीन की मदद से रक्त संचार और ऑक्सीजन सप्लाई बनाए रखते हुए की गई जटिल कैंसर सर्जरी



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। अपोलो हॉस्पिटल, लखनऊ में डॉक्टरों की विभिन्न विशेषज्ञताओं और अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के समन्वय से 70 वर्षीय पुरुष मरीज की दुर्लभ स्थिति वाली जटिल थायराइड कैंसर सर्जरी सफलतापूर्वक पूरी की गई। मरीज के गले में मौजूद कैंसरयुक्त गांठ सांस की नली को बुरी तरह दबा रही थी, जिसके कारण सामान्य प्रक्रिया से मरीज को बेहोश कर सर्जरी करना संभव नहीं था। ऐसे में कार्डियक सर्जरी टीम, एनेस्थीसिया विशेषज्ञों और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी टीम ने मिलकर कार्डियोपल्मोनरी बाईपास यानी हार्ट–लंग मशीन की मदद से मरीज का एयरवे सुरक्षित

जनेऊ पर अभद्र टिप्पणी के विरोध में ब्राह्मण महासभा का प्रदर्शन,सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा झापन

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा (रा.) ने केशरकत के सपा विधायक तूफानी सरोज के कथित बयान के विरोध में प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने विधायक के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष रत्नाकर चौबे ने आरोप लगाया कि वि्धायक तूफानी सरोज ने सार्वजनिक मंच से सनातन संस्कृति के प्रतीक जनेऊ को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की। उन्होंने पंडा–पुजारियों और



ब्राह्मण समाज के प्रति भी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का आरोप लगाया। महासभा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी से ब्राह्मण समाज और सनातन धर्मावलंबियों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सार्वजनिक मंच से इस तरह की टिप्पणी सामाजिक सौहार्द के लिए उचित नहीं है। उन्होंने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। प्रदर्शन के बाद महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने सिटी मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह को झापन सौंपा। झापन के माध्यम से विधायक तूफानी सरोज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। महासभा ने चेतावनी दी कि मामले में उचित कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को आगे बढ़ाया जाएगा।

केजीएमयू की नर्सिंग छात्राएं फिर से धरने पर डटी

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू में बुखार से पीड़ित वाराणसी निवासी बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा दिव्यांशी की मौत मामले में कार्रवाई की बजाय कोरा आश्वासन मिलने से आहत साथी छात्राएं सोमवार को फिर से धरने पर डट गईं। विद्यार्थियों ने डीन और प्रिंसिपल को हटाने की मांग की है। कहा कि मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। केजीएमयू की बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा की बुखार के दौरान वाराणसी के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई थी। घटना के बाद साथी छात्र–छात्राओं ने नर्सिंग की पढ़ाई और ड्यूटी व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए। विद्यार्थियों का आरोप है कि बीमार होने के बावजूद छात्र–छात्राओं को अवकाश नहीं दिया जाता।



ओपीडी से लेकर वार्ड तक में ड्यूटी लगाई जाती है, जिससे बीमारी की स्थिति में भी उन्हें काम करना पड़ता है। छात्रों ने नर्सिंग हॉस्टल की व्यवस्थाओं को लेकर भी शिकायत की है। उनका कहना है कि कई बार समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया, लेकिन व्यवस्थाओं में सु्धार के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए। वहीं, केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने कहा कि छात्रों की उचित मांगों को मान लिया गया है। डीन को हटाने की मांग उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि संस्थान प्रशासन की ओर से छात्रों से धरना समाप्त करने की अपील की गई है। मांगों को लेकर छात्र–छात्राएं 21 सितंबर को धरने पर बैठे थे। अगले दिन कुलपति ने छात्रों को वार्ता के लिए बुलाया था। विद्यार्थियों के मुताबिक, उन्हें शनिवार तक मांगों पर निर्णय लेने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद उन्होंने धरना स्थगित कर दिया था। धरने पर बैठे छात्र–छात्राओं का कहना है कि तय समय बीतने के बाद भी उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

नहीं हुआ। इसके बाद डॉक्टरों की टीम ने ऑपरेशन स्थगित कर मरीज के परिजनों के साथ चर्चा की और एक वैकल्पिक रणनीति तैयार की से चूंकि कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में नहीं फैला था और बीमारी गले तक सीमित थी, इसलिए सर्जरी को मरीज के उपचार का आवश्यक विकल्प माना गया। मरीज को ढेर की फेमोरल, आर्टरी और फेमोरल वेन के जरिए पेरिफेरल कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पर लिया गया। इस प्रक्रिया में स्पाइनल एनेस्थीसिया का इस्तेमाल किया गया, जिससे मरीज के शरीर के निचले हिस्से को सुन्न किया गया और हार्ट–लंग मशीन की मदद से रक्त संचार तथा ऑक्सीजन की आपूर्ति बनाए रखी गई। इसके बाद भी जब सामान्य तरीके से एयरवे सुरक्षित करना संभव नहीं हुआ, तो सर्जिकल ऑन्कोलॉजी टीम ने बाईपास सपोर्ट के दौरान सबग्लॉटिक ट्रेकियोस्टोमी की। इस प्रक्रिया के जरिए सांस की नली में ट्यूमर के नीचे एक वैकल्पिक रास्ता बनाया गया और ट्यूब डाली गई। एयरवे सुरक्षित होने के बाद मरीज को हार्ट–लंग मशीन से हटा दिया गया। रक्त प्रवाह की प्रक्रिया को सामान्य स्थिति में लाने के बाद मरीज की थायराइड सर्जरी पूरी की गई। करीब साढ़े चार से पांच घंटे चली इस

विद्यार्थी नई तकनीकी सीखने की प्रवृति रखें - कुलपति

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग में कुलपति प्रो. आर. के. सिंह द्वारा पूर्व में किए गए विभागीय अवलोकन के क्रम में छात्रों के आग्रह पर सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग विषय पर विशेष शैक्षणिक प्रस्तुतीकरण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय की व्यावहारिक समझ प्रदान करने के साथ–साथ उनके तकनीकी ज्ञान, तार्किक चिंतन, रचनात्मकता एवं प्रस्तुतीकरण कौशल को विकसित करना रहा। प्रस्तुतीकरण के दौरान विद्यार्थियों ने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं को व्यावहारिक उदाहरणों एवं आ्धुनिक तकनीकी परिप्रेक्ष्य के साथ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि गुणवत्तापूर्ण सॉफ्टवेयर के विकास में योजनाबद्ध प्रक्रिया, तकनीकी दक्षता, उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं की समझ तथा विकास के विभिन्न चरणों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। इसी क्रम में बीसीए तृतीय वर्ष की छात्रा हर्षिता गुप्ता ने ‘प्लो ऑफ वेब डेवलपमेंट’

भारत- विंडीज टी-20 मुकाबला लखनऊमें, टिकट दरों में की गई भारी गिरावट से बढ़ी बिक्री चार को आएंगी टीमें

लखनऊ, (संवाददाता)। भारत और वेस्टइंडीज के बीच छह अक्तूबर को अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में एक मुकाबला खेला जाएगा। इस मैच के लिए टिकटों की बिक्री ने अब जोर पकड़ लिया है। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) से मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम तक 16 हजार टिकट बिक चुके हैं। मुकाबला करीब आने के साथ टिकटों की बिक्री में और तेजी आने की संभावना है। ऐसे में मैच तक 35 हजार तक टिकट बिकने की आस जगी है। इकाना स्टेडियम की कुल दर्शक क्षमता 60 हजार है। यूपीसीए को उम्मीद है कि स्टेडियम में क्रिकेट का रोमांच देखते ही बनेगा। यूपीसीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकित चटर्जी ने बताया कि लखनऊ में हुए पिछले मुकाबलों में दर्शकों की संख्या आशा के अनुरूप नहीं थी। इसका एक मुख्य कारण टिकटों की

बढ़ी दर हो सकता है। इसलिए भारत और विंडीज के बीच इस मुकाबले में टिकटों की दरें घटाने का फैसला किया गया। यह योजना सफल रही है और बिक्री में अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। बीती 17 जून को इकाना स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान के बीच एकदिवसीय मुकाबला हुआ था। उस समय महज

10 हजार टिकट ही बिक पाए थे। दर्शकों की कम संख्या को देखते हुए यूपीसीए ने टिकट दरें लगभग आधी कर दी थीं। दरों में इस कमी का सीधा फायदा अब देखने को मिल रहा है। इससे अधिक दर्शक मैच देखने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज का पहला टी–20 मुकाबला है।

10 हजार टिकट ही बिक पाए थे। दर्शकों की कम संख्या को देखते हुए यूपीसीए ने टिकट दरें लगभग आधी कर दी थीं। दरों में इस कमी का सीधा फायदा अब देखने को मिल रहा है। इससे अधिक दर्शक मैच देखने के लिए आकर्षित हो रहे हैं। भारत और वेस्टइंडीज के बीच यह सीरीज का पहला टी–20 मुकाबला है।

मरीज के मामले में सबसे बड़ी चुनौती सांस की नली को सुरक्षित रखना था। ट्यूमर के दबाव के कारण सामान्य तरीके से इंट्यूबेशन संभव नहीं था। ऐसी स्थिति में कार्डियोपल्मोनरी बाईपास सपोर्ट से मरीज के रक्त संचार और ऑक्सीजन की आपूर्ति को बनाए रखना जरूरी था। सभी के सामूहिक सहयोग से हमें एयरवे सुरक्षित करने और आगे की सर्जरी करने का अवसर मिला।” डॉ. मयंक सोमानी, एमडी और सीईओ, अपोलोमेट्रिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, ने कहा, “इस मामले में अलग–अलग चिकित्सा विशेषज्ञताओं के बीच समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्डियक सर्जरी, एनेस्थीसिया और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी की टीमों ने मिलकर मरीज के लिए एक सुरक्षित उपचार योजना तैयार की। अपोलोमेट्रिक्स में एक ही छत के नीचे विभिन्न विशेषज्ञताओं और आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता ने इस जटिल प्रक्रिया को एक ही अस्पताल में पूरा करने में मदद की।” अपोलोमेट्रिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में इस तरह के जटिल मामलों के प्रबंधन के लिए विभिन्न चिकित्सा विभागों की विशेषज्ञता और आवश्यक चिकित्सा संसाधन एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं।

‘लखनऊ, 30 सितंबर, 2026।’ पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) श्री मनीष सिंह, आईएफएस को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित इको वॉरियर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह पुरस्कार संरक्षित क्षेत्र प्रबंधन श्रेणी में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने श्री मनीष सिंह, आईएफएस को यह सम्मान प्रदान किया। इको वॉरियर अवॉर्ड देश में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव संरक्षण और संरक्षित क्षेत्रों के प्रभावी प्रबंधन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रदान किया जाता है।



कौशल को मजबूत करने तथा अर्जित ज्ञान को व्यावहारिक परियोजनाओं में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों को कक्षा–कक्ष की शिक्षा को वास्तविक तकनीकी दुनिया से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सोमर पाल ने विद्यार्थियों के उत्साह, परिश्रम एवं प्रस्तुतीकरण कौशल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी शैक्षणिक गतिविधियां विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, तकनीकी दक्षता एवं नवाचार की भावना विकसित करने में सहायक हैं। कार्यक्रम में बीसीए कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. मिथिलेश कुमार पाण्डेय तथा पाठ्यक्रम के सहायक आचार्य प्रियंका जायसवाल, आदित्य कुमार एवं अवधेश कुमार यादव उपस्थित रहे।

भाजपा में नामों पर हो रहा मंथन, अंतिम पैनल जल्द जाएगा दिल्ली, तीन प्रत्याशी उतारेगी सपा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी कोटे की 10 राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने प्रत्याशी चयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई पार्टी की कोर कमिटी की बैठक में कई नामों पर मंथन हुआ। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अभी इस पर फिर बैठक होगी। हालांकि, स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, नीरज शेखर समेत कई नामों पर मंथन हुआ। अभी कुछ नाम क्षेत्र और जाति के लिहाज से इस सूची में जोड़े जाने हैं। अगली बैठक में इन नामों पर फिर विचार होगा। इसके बाद फाइनल पैनल दिल्ली भेजा जाएगा। यूपी की 10 राज्यसभा और 11 विधान परिषद सीटों को लेकर नामांकन मंगलवार यानी आज से शुरू हो गया है। भाजपा अपने पते अंतिम समय पर खोलेगी। सूत्रों की मानें तो राज्यसभा चुनाव को लेकर हुई कोर कमिटी की बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्व मंत्री सुरेश राणा के नाम पर भी चर्चा हुई। मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर का नाम भी पैनल में शामिल किया गया। पार्टी का एक खेमा उन्हें फिर मौका देने की पैरवी कर रहा है। कुछ दलित और पिछड़े वर्ग के नाम बढ़ाने को कहा गया है। पार्टी का गैरजाटव दलितों पर भी फोकस है। ऐसे नामों में पूर्व सांसद प्रियंका रावत, विनोद सोनकर, रामचंद्र कनौजिया सहित कई नाम शामिल हैं। वर्तमान सांसद बृजलाल के नाम पर भी चर्चा रही। इसके अलावा ओबीसी चेहरों में प्रकाश पाल का भी नाम है। कुर्मी चेहरों में रेखा वर्मा, दिलीप पटेल और कौशलेंद्र पटेल का नाम भी चर्चा में है।

समर्पण सेवा संस्थान ने सदर अस्पताल में वितरित किया पोषण आहार एवं आवश्यक सामग्री

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। समर्पण सेवा संस्थान द्वारा मंगलवार को सदर अस्पताल में सेवा एवं राहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल में भर्ती कुपोषित बच्चों, अग्निदग्ध मरीजों, महिला वार्ड एवं जनरल वार्ड के मरीजों को फल, पोषण आहार एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव एवं संस्थापक प्रबंधक डॉ. मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों ने अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं बच्चों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें फल एवं आवश्यक सामग्री प्रदान की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती ज्योति श्रीवास्तव ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद लोगों तक सेवा, सहयोग और संवेदना पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि समर्पण सेवा संस्थान मविष्य में भी स्वास्थ्य, शिक्षा, राहत एवं जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहेगा। सेवा एवं राहत प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री मनीष श्रीवास्तव ने कहा, “सेवा वही है, जो



किसी जरूरतमंद के चेहरे पर राहत और मुस्कान ला सके। हमें ऐसे सेवा कार्य निरंतर करते रहना चाहिए और समाज के जरूरतमंद लोगों के साथ खड़े रहना चाहिए।” कार्यक्रम में सचिव श्री आशीष श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष श्रीमती सोनी जायसवाल, सेवा एवं राहत प्रकोष्ठ की सचिव श्रीमती देवेन्द्र कौर, अध्यक्ष मीडिया एवं प्रचार प्रसार प्रकोष्ठ इंजीनियर आदर्श तिवारी, सदस्यता एवं विस्तार प्रकोष्ठ के अध्क्ष श्री दिलीप जायसवाल, शिक्षा विभाग की सचिव श्रीमती यामिनी सिंह, खेल विभाग की सचिव श्रीमती

पूजा श्रीवास्तव तथा पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष मोहम्मद असगर सहित सक्रिय सदस्य अमिता श्रीवास्तव, चंद्र प्रकाश सिंह, राजीव सिंह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समर्पण सेवा संस्थान ने जनसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि संस्था का प्रयास आगे भी जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना और समाज में सेवा एवं मानवता की भावना को मजबूत करना रहेगा।

संस्थान का संकल्परू “सेवा वहाँ, जहाँ जरूरत होय समर्पण वहाँ, जहाँ इंसानियत पुकारे।”

’पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डीएफओ मनीष सिंह को मिला इको वॉरियर अवॉर्ड’



पीलीभीत टाइगर रिजर्व के प्रभागीय वनाधिकारी के रूप में श्री मनीष सिंह ने संरक्षित क्षेत्र के प्रबंधन और उत्तर प्रदेश वन न और वन्यजीव संरक्षण से जुड़े कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

संरक्षित क्षेत्र प्रबंधन श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर का यह सम्मान मिलना पीलीभीत टाइगर रिजर्व और उत्तर प्रदेश वन विभाग के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

पाक्सो अधिनियम की जानकारी देकर विद्यार्थियों को किया जागरूक

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में बुधवार को राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज के रानी नीता कुंवर सभागार में विद्यार्थियों को पाक्सो अधिनियम–2012 के प्रति जागरूक करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज पीजी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य प्रो. (डॉ.) अखिलेश्वर शुक्ला ने की। मुख्य अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाध्ीश षष्ठम सुरेंद्र प्रताप यादव और विशिष्ट अतिथि डिप्टी चीफ डिफेंस काउंसिल डॉ. दिलीप कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को पाक्सो अधिनियम के प्रमुख कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए गुड टच और बैड टच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार के गलत व्यवहार का सकारात्मक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। पूर्व प्राचार्य प्रो. अथवा पुलिस को देनी चाहिए। डॉ.

दिलीप कुमार सिंह ने कहा कि कानून की जानकारी के अभाव में पीड़ित को उचित न्याय पाने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए विद्यार्थियों को अपने अधिकारों और कानून के प्रति सजग रहना चाहिए। कॉलेज के प्रि प्राध्यापक दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि पाक्सो अधिनियम 1987 और नाइस हेल्थलाइन 1988 का सहयोग लेने की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता लेफ्टिनेंट बृजभूषण यादव ने किया। इस दौरान कॉलेज के शिक्षक, शिक्षणेतार कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाजपा में नामों पर हो रहा मंथन, अंतिम पैनल जल्द जाएगा दिल्ली, तीन प्रत्याशी उतारेगी सपा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी कोटे की 10 राज्यसभा सीटों के लिए भाजपा ने प्रत्याशी चयन शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई पार्टी की कोर कमिटी की बैठक में कई नामों पर मंथन हुआ। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अभी इस पर फिर बैठक होगी। हालांकि, स्मृति ईरानी, हरीश द्विवेदी, नीरज शेखर समेत कई नामों पर मंथन हुआ। अभी कुछ नाम क्षेत्र और जाति के लिहाज से इस सूची में जोड़े जाने हैं। अगली बैठक में इन नामों पर फिर विचार होगा। इसके बाद फाइनल पैनल दिल्ली भेजा जाएगा। यूपी की 10 राज्यसभा और 11 विधान परिषद सीटों को लेकर नामांकन मंगलवार यानी आज से शुरू हो गया है। भाजपा अपने पते अंतिम समय पर खोलेगी। सूत्रों की मानें तो राज्यसभा चुनाव को लेकर हुई कोर कमिटी की बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश से पूर्व मंत्री सुरेश राणा के नाम पर भी चर्चा हुई। मौजूदा राज्यसभा सांसद नीरज शेखर का नाम भी पैनल में शामिल किया गया। पार्टी का एक खेमा उन्हें फिर मौका देने की पैरवी कर रहा है। कुछ दलित और पिछड़े वर्ग के नाम बढ़ाने को कहा गया है। पार्टी का गैरजाटव दलितों पर भी फोकस है। ऐसे नामों में पूर्व सांसद प्रियंका रावत, विनोद सोनकर, रामचंद्र कनौजिया सहित कई नाम शामिल हैं। वर्तमान सांसद बृजलाल के नाम पर भी चर्चा रही। इसके अलावा ओबीसी चेहरों में प्रकाश पाल का भी नाम है। कुर्मी चेहरों में रेखा वर्मा, दिलीप पटेल और कौशलेंद्र पटेल का नाम भी चर्चा में है।

‘विश्व हृदय दिवस पर रेडक्रॉस का संदेश – हर हाथ में फर्स्ट एड, हर व्यक्ति को सीपीआर का ज्ञान’



‘ब्यूरो रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव’

‘शाहजहाँपुर’ विश्व हृदय दिवस के अवसर पर मुख्य चिकित्सा अिाकारी कार्यालय परिसर स्थित इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में हृदय स्वास्थ्य के साथ—साथ फर्सट एड एवं सी पी आर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी सचिव डॉ विजय जौहरी ने कहा कि फर्सट एड अर्थात प्राथमिक उपचार वह तत्काल स्वास्थ्य सहायता है, जो किसी दुर्घटना, अचानक बीमारी या आपातकालीन स्थिति में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने अथवा अस्पताल पहुंचने से पूर्व घायल या बीमार व्यक्ति को दी जाती है। सही समय पर दिया गया प्राथमिक उपचार स्थिति को गंभीर होने से रोकने और कई परिस्थितियों में जीवन बचाने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ विजय जौहरी ने कहा कि रेडक्रॉस का उद्देश्य है कि फर्सट एड और सीपीआर का प्रशिक्षण केवल स्वास्थ्यकर्मियों तक सीमित न रहे, बल्कि आम नागरिकों को भी इसका व्यावहारिक प्रशिक्षण मिले। विशेष रूप से कारखानों, कार्यस्थलों, विद्यालयों, पुलिस प्रशासन, जिला प्रशासन, परिवहन व्यवस्था, रोडवेज, वाहन चालकों तथा विभिन्न संस्थानों में कार्यरत लोगों को प्राथमिक उपचार एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा जिले में फर्सट एड एवं सी पी आर प्रशिक्षण कार्यशालाओं की श्रृंखला शुरू करने की पहल की जाएगी। इसके माध्यम से विभिन्न विभागों, संस्थानों, कारखानों, वाहन चालकों एवं आम नागरिकों को आपातकालीन स्थिति में तत्काल सहायता देने के लिए प्रशिक्षित किया

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक



ब्यूरो रिपोर्ट—जनार्दन श्रीवास्तव’ सम्मान स्वावलंबन के लिए संचालित ‘पाली(हरदोई)’ नारी सुरक्षा मिशन शक्ति जागरूकता अभियान

सिवान के मासूम को पटना की जगह गोरखपुर लाया एंबुलेंस चालक, निजी अस्पताल में मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहा स्थित निजी अस्पताल में दो दिन इलाज के दौरान पांच वर्षीय मासूम की सोमवार सुबह मौत हो गई। बच्चे की मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए और अस्पताल में हंगामा करने लगे। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाकर उन्हें शांत कराया। इसके बाद परिजन बिना कार्रवाई के शव लेकर गांव चले गए। जानकारी के मुताबिक, बिहार के सिवान जिले के पचरुखी गांव निवासी पांच वर्षीय मासूम प्रिंस कुमार शनिवार सुबह घर के पास खेल रहा था। इसी दौरान एक बाइक की चपेट में आ गया। हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई। परिजन उसे सिवान जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे



पटना मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। आरोप है कि पटना जाने के लिए वे बच्चे को एंबुलेंस से लेकर निकले थे। रास्ते में एंबुलेंस चालक ने उन्हें बताया कि पटना से बेहतर इलाज गोरखपुर में हो सकता है। आरोप है कि चालक बच्चे को पटना मेडिकल कॉलेज ले जाने के बजाय गोरखपुर ले आया और स्पोर्ट्स कॉलेज चौराहा स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद इलाज, ऑपरेशन और दवाओं के नाम पर दो दिन में करीब 1.25 लाख रुपये ले लिए। इसके बावजूद सोमवार सुबह करीब सात बजे इलाज के दौरान मासूम की मौत हो गई। आरोप हैं मासूम की मौत के बाद भी अस्पताल प्रशासन ने इलाज के नाम पर रुपये की मांग कर रहा था। किसी तरह परिजन आईसीयू में जाकर देखा तो मासूम की पहले ही मौत हो गई थी, जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल में करीब आधे घंटे तक हंगामा किया। उनका आरोप था कि इलाज में लापरवाही के कारण मासूम की जान गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद परिजन बच्चे का शव लेकर अपने गांव चले गए। चिलुआताल थाना प्रभारी सूरज सिंह ने बताया कि मामले में कोई सूचना नहीं हैं।

मौसम साफ होते ही दो दिन में पांच डिग्री चढ़ा अधिकतम पारा



भदोही, (संवाददाता)। जिले में दो दिनों से मौसम साफ होने के साथ तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अधिकतम तापमान में पांच और न्यूनतम में एक डिग्री की वृद्धि

दर्ज की गई। सोमवार को अधिकतम तापमान 32 और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस रहा। दोपहर में तेज धूप के कारण उमस महसूस हुई, जबकि शाम को आसमान में बादल छा

जाएगा। बैठक में कहा गया कि अचानक हृदय गति रुकने की स्थिति में शुरुआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे समय में प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा सही तरीके से सीपीआर शुरू किया जाना जीवन बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास हो सकता है। इसलिए सी पी आर का प्रशिक्षण और फर्सट एड का ज्ञान जनसामान्य तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। रेडक्रॉस ने संदेश दिया कि आपात स्थिति में एम्बुलेंस या चिकित्सकीय सुविधा पहुंचने तक किसी व्यक्ति को अकेला छोड़ देना नहीं, बल्कि प्रशिक्षित होकर उसकी तत्काल मदद करना ही मानवीय सेवा का पहला कदम है। “हर हाथ में फर्सट एड का ज्ञान, हर जरूरतमंद को समय पर प्राथमिक उपचारकृ यही रेडक्रॉस की जनसेवा की दिशा है।” मानव सेवा हमारा धर्म कृ समय पर प्राथमिक उपचार, किसी की जिंदगी बचाने का संकल्प। इस अवसर पर शासन द्वारा नामित पर्यावरण जिला सलाहकार समिति के सदस्य अतुल सक्सेना, पूर्व सभासद प्रशांत कुमार सक्सेना, अवनीश सक्सेना, बुजेश गुप्ता, बाल कृष्णा पाण्डेय, आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ विजय जौहरी ने उपरिथत चिकित्सकों, अतिथियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

रोजगारपरक कौशल विकास कार्यक्रम का समापन समारोह



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय हरदोई। डॉ. राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय अल्लीपुर, हरदोई में महिंद्रा प्राइड क्लासरूम के सहयोग में फर्सट एड का ज्ञान, हर जरूरतमंद को समय पर प्राथमिक उपचारकृ यही रेडक्रॉस की जनसेवा की दिशा है।” मानव सेवा हमारा धर्म कृ समय पर प्राथमिक उपचार, किसी की जिंदगी बचाने का संकल्प। इस अवसर पर शासन द्वारा नामित पर्यावरण जिला सलाहकार समिति के सदस्य अतुल सक्सेना, पूर्व सभासद प्रशांत कुमार सक्सेना, अवनीश सक्सेना, बुजेश गुप्ता, बाल कृष्णा पाण्डेय, आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ विजय जौहरी ने उपरिथत चिकित्सकों, अतिथियों एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

30 लाख दर्शकों की भीड़ संभालने का मेगा प्लान, गंगा किनारे पार्किंग, पांच स्थान चिट्ठित

वाराणसी, (संवाददाता)। वाराणसी में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने एयर शो की तैयारियों को लेकर सोमवार को पड़ाव चौराहा, रामनगर बाईपास, टेंगरा मोड़, डोमरी गंगा घाट और कोदोपुर घाट का दौरा किया। सुरक्षा, भीड़ और यातायात की प्रबंधन की तैयारियों की समीक्षा की। 22, 23 और 25 अक्तूबर को प्रस्तावित एयर शो में 30 लाख लोगों की भीड़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पुलिस आयुक्त ने व्यवस्थित पार्किंग, प्रवेश—निकास और पैदल मार्गों की

एक ही विद्यालय के पांच पहलवानों ने जीते स्वर्ण पदक

गोरखपुर, (संवाददाता)। देवरिया में आयोजित 70वीं माध्यमिक विद्यालयी प्रदेशीय बालक वर्ग कुश्ती प्रतियोगिता में गोरखपुर के पीएमश्री राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज के एक ही विद्यालय के पांच पहलवानों ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से विद्यालय का गौरव बढ़ने के साथ ही गोरखपुर मंडल अंक तालिका मेंभी आगे हो गया। प्रतियोगिता के अंडर—17 फ्री स्टाइल बालक वर्ग में गोरखपुर के पहलवानों ने विभिन्न भार वर्गोंमेंशानदार प्रदर्शन किया। 57 किलोग्राम भार वर्ग मेंआदित्य यादव, 60 किलोग्राम मेंअरुण गुप्ता, 72 किलोग्राम मेंसतीश यादव, 80 किलोग्राम मेंविवेक चौहान और 92 किलोग्राम भार वर्ग मेंअंश यादव ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं इसी विद्यालय के पहलवान इरशाद ने 61 किलोग्राम भार वर्ग मेंरजत पदक जीतकर विद्यालय की पदक तालिका में एक और उपलब्धि जोड़ी।

भतीजी की दोस्ती से नाराज युवक को बुलाया, विवाद के बाद मारी गोली

गोरखपुर, (संवाददाता)। कोतवाली इलाके के बक्शीपुर स्थित जुबली टॉकीज के पास रविवार देर रात दोस्ती के विवाद में 29 वर्षीय नमन गुप्ता को गोली मार दी गई। गोली उसकी कमर में जा धंसी। घायल नमन का बीआरडी मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के मुताबिक गोली अभी शरीर में फंसी है और उसकी हालत सामान्य है। वहीं पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। माया बाजार उत्तरी फाटक निवासी रीना गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके बेटे नमन को शनि उर्फ सचीन्द्र कुशवाहा, रीशू जायसवाल, राहुल गुप्ता और कुछ अन्य लोगों ने किसी बात को लेकर जुबली टॉकीज के पास बुलाया था। आरोप है कि वहां गाली—गलौज के बाद नमन पर जान से मारने की नीयत से अवैध असलहं से फायर कर दिया गया। गोली लगने से नमन घायल हो गया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में विवाद की वजह शनि उर्फ सचीन्द्र कुशवाहा की भतीजी की नमन से दोस्ती बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, भतीजी से दूर रहने के लिए समझाने के उद्देश्य से शनि ने नमन को बुलाया था। इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ और फायरिंग की घटना सामने आई। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस के अनुसार रीशू जायसवाल, राहुल गुप्ता और शनि उर्फ सचीन्द्र कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया गया है। सोमवार दोपहर बाद तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। फायरिंग में इस्तेमाल असलहं के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है।

प्रशिक्षण के दौरान व्यावसायिक संचार एवं अंग्रेजी भाषा में दक्षता, साक्षात्कार की तैयारी, व्यक्तित्व एवं कम्युनिकेशन स्किल्स तथा रोजगार एवं प्लेसमेंट संबंधी जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने छात्राओं से प्रत्येक सत्र में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। महाविद्यालय की ओर से डॉ. रश्मि द्विवेदी ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षकों का स्वागत करते हुए कहा कि इस प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ—साथ रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त छात्राएँ उपस्थित रहीं। संजय श्रीवास्तव, अनूप सिंह, फारुल गुप्ता, नीरज शुक्ला सहित अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन आनंद विशारद द्वारा किया गया। अंत में डॉ. डॉक्टर शशिकांत पांडे ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों, शिक्षकों एवं छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ६ न्यववाद ज्ञापन किया। प्राचार्य डॉ शीर्षेन्दु शील त्रिवेदीशविपिनश् ने कहा छह दिवसीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम छात्राओं को रोजगार के लिए तैयार करने तथा उनमें कौशल, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

विषम सेमेस्टर परीक्षा पैटर्न पर दो दिन में फेसला संभव

प्रभावी व्यवस्था को कहा। बैरिकेडिंग, प्रतीक्षा क्षेत्र और कतार प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया। संभावित भीड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने के निर्देश दिए। गंगा के दोनों ओर चिह्नित पार्किंग स्थलों का भी निरीक्षण किया। वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग और सुगम यातायात के निर्देश दिए। पुलिस आयुक्त ने बताया कि एयर शो के दौरान निगरानी कैमरों, ड्रोन और अन्य तकनीकी संसाधनों से लगातार नजर रखी जाएगी। संवेदनशील और

अधिक भीड़ वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। इससे प्रत्येक गतिविधि पर प्रभावी नजर रख तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। संभावित अत्यधिक भीड़ को देख आपातकालीन मार्ग और आपातकालीन निकास को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए हैं। कमियों को समयबद्ध रूप से दूर करने के लिए पूर्वाय्यास भी किया जाए। पुलिस संबंधित विभाग आपसी समन्वय से काम करेंगे। इसका उद्देश्य ऐसा प्रबंधन करना है।

संक्षिप्त खबरें घर में फंदे से लटका मिला चौकीदार की बेटी का शव

गोरखपुर, (संवाददाता)। खजनी थाना क्षेत्र के गौरापार गांव में रविवार देर रात एक 16 वर्षीय किशोरी का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना की सूचना एक युवक ने फोन कर किशोरी के पिता को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और किशोरी का मोबाइल कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। गौरापार गांव निवासी जयहिंद दुसाध खजनी थाने में ग्राम पुलिस (चौकीदार) के पद पर कार्यरत हैं। उनकी 16 वर्षीय बेटी सोनिया रविवार रात घर के कमरे में थी। रात करीब 12 बजे एक युवक ने जयहिंद को फोन कर बेटी के फंदा लगाने की सूचना दी। जानकारी मिलते ही वह घर पहुंचे, जहां बेटी का शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बताया जा रहा है कि घटना से पहले किशोरी की एक युवक से मोबाइल पर बातचीत हो रही थी। युवक बांसगांव थाना क्षेत्र के माल्हनपार कस्बे के पास स्थित पीडियां गांव का बताया जा रहा है। पुलिस ने किशोरी का मोबाइल अपने कब्जे में ले लिया है और कॉल से जुड़े विवरण की जांच कर रही है। जयहिंद की पहली पत्नी से सोनिया इकलौती संतान थी। पत्नी की मृत्यु के बाद उन्होंने दूसरी शादी की थी। दूसरी पत्नी से उनकी एक बेटी और एक बेटा हैं। थानाध यक्ष खजनी इंस्पेक्टर जयंत कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मोबाइल की कॉल डिटेल के आधार पर घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जाएगी।

दूध लेने निकले वृद्ध पर भ्रमराकर गिरी जर्जर दीवार, दबकर मौत

गोरखपुर, (संवाददाता)। पीपीगंज थाना क्षेत्र के राजाबारी गांव में सोमवार सुबह दूध लेने निकले 80 वर्षीय वृद्ध की जर्जर कच्चे मकान की दीवार के नीचे दबकर मौत हो गई। वृद्ध गांव के रास्ते से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक दीवार भ्रमराकर उनके ऊपर गिर गई। मलबे में दबे वृद्ध को ग्रामीणों ने आनन—फानन बाहर निकाला लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। राजाबारी गांव निवासी पुरुषोत्तम शर्मा सोमवार सुबह करीब आठ बजे दूध लेने के लिए घर से निकले थे। बताया गया कि गांव के रास्ते में नाजीर शर्मा का पुराना और जर्जर कच्चा मकान है। पुरुषोत्तम इसी मकान के सामने से होकर गुजर रहे थे। तभी अचानक मकान की कच्ची दीवार भ्रमराकर गिर गई और वह मलबे में दब गए। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा—चफरी मच गई। ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मिट्टी व मलबा हटाकर वृद्ध को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंच गए। दूध लेने घर से निकले वृद्ध की अचानक मौत से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना मिलते पर पीपीगंज पुलिस के साथ तहसील प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची। अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों व ग्रामीणों से हादसे की जानकारी ली। पुलिस और प्रशासन की ओर से शव का पोस्टमार्टम कराने की बात कही गई लेकिन परिजन ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया।

ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी को लेकर कांग्रेस का विरोध मार्च

प्रयागराज, (संवाददाता)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की बर्खास्तगी और उनकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को विरोध मार्च निकाला।६ राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर शहर कांग्रेस कमेटेी और जिला कांग्रेस यमुनापार द्वारा फुजैल हाशमी के नेतृत्व में महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर एकत्र कांग्रेसजनों को संबोधिात करते सांसद उज्जवल रमण सिंह ने ज्ञानेश कुमार पर एसआईआर के सहाई मतदाता सूची से 13 करोड़ से अधिक वोटर्ों के नाम काटने का आरोप लगाया। कहा कि चुनाव आयोग आज ऐसे संस्थान बन चुका है जो दित्त—ब—दिन जनता में अपना विश्वास खोता जा रहा है। पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह की कठपुतली बने ज्ञानेश ने कई ऐसे फेसले लिए जो पूरी तरह असंवैधानिक और कानून के अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। पूर्व विधायक अनुमह नारायण सिंह ने कहा कि एसआईआर के जरिए फर्जीवाड़ा करने के लिए ज्ञानेश कुमार देश से माफी मांगें और पद से इस्तीफा दें। सभा में कहा गया कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा एसआईआर को लेकर विभिन्न प्रेस वार्ताओं में देश के सामने तथ्यों का हवाला देकर इसे दिखाया और सबूत सामने रखे।

रोटरी अरिहंत ने विश्व हृदय दिवस पर आयोजित किया ‘प्रोजेक्ट धड़कन’

प्रयागराज, (संवाददाता)। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर रोटरी इलाहाबाद अरिहंत द्वारा हृदय स्वास्थ्य, जागरूकता एवं हृदय रोगों से बचाव के उद्देश्य से सिविल लाइंस स्थित होटल ग्लोब्लन ट्री में ‘प्रोजेक्ट धड़कन’ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। क्लब के संस्थापक शशांक जैन ने कहा कि ‘प्रोजेक्ट धड़कन’ का उद्देश्य समाज में हृदय स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना और लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक सजग बनाना है। उन्होंने कहा कि समय रहते स्वास्थ्य के प्रति सचेत होना, सही जानकारी प्राप्त करना और आवश्यक चिकित्सकीय सलाह लेना हृदय रोगों से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रयागराज के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक सचदेवा ने हृदय को स्वस्थ रखने के उपायों, हृदय रोगों के प्रमुख कारणों, जीवनशैली में आवश्यक बदलाव तथा समय रहते।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मो0 – 7007415808, 9415034002 Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार—पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	